अनुक्रमांक

नाम .....

102

302(KS)

2025
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है

i) 'नयी पीढ़ी के विचार' ii) 'बिल्लेसुर बकरिहा'

iii) 'साहित्य का मर्म' iv) 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' 1

ख) रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखा निबंध है

i) 'तुम चंदन हम पानी' ii) 'राष्ट्र का स्वरूप'

iii) 'अशोक के फूल' iv) 'कविता क्या है ?' 1

ग) 'अजातशत्रु' की विधा है

i) संस्मरण ii) आत्मकथा

iii) नाटक iv) जीवनी 1

घ) निम्नलिखित में से अज्ञेय की रचना है

i) 'मेरे विचार' ii) 'पृथ्वी पुत्र'

iii) 'विचार प्रवाह' iv) 'शेखर : एक जीवनी' 1

ङ) 'बहादुर' कहानी के लेखक हैं

i) फणीश्वरनाथ 'रेणु' ii) मुंशी प्रेमचंद iii) जैनेन्द्र कुमार iv) अमरकान्त 1

2. क) कबीरदास प्रमुख कवि हैं

i) प्रयोगवादी काव्यधारा के ii) प्रगतिवादी काव्यधारा के

iii) निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के iv) सगुण काव्यधारा के 1

https://www.upboardonline.com

ख) बिहारीलाल ने मुख्य रूप से किस छंद में रचना किया है ? 1

i) सवैया ii) चौपाई iii) दोहा iv) बरवै

ग) 'आँसू' किसकी रचना है ? 1

i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) जयशंकर प्रसाद iv) महादेवी वर्मा

घ) " 'छायावाद' स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है " यह किसने कहा है ? 1

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) गुलाब राय

iii) डॉ० धीरेन्द्र वर्मा iv) डॉ० नगेन्द्र

ङ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन हुआ 1

i) 1940 ई० में ii) 1943 ई० में iii) 1951 ई० में iv) 1959 ई० में

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्त काल से है । उसके भौतिक रूप, सौंदर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्त्तव्य है । भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जाग्रत होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी । यह पृथ्वी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जाननी है । जो राष्ट्रीयता पृथ्वी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है । राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा । इसलिये पृथ्वी के भौतिक स्वरूप को पहचानना आवश्यक धर्म है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

iv) लेखक ने हमारे कर्त्तव्य के प्रति क्या विचार व्यक्त किये हैं ?

v) राष्ट्रीयता की भावना कब निर्मूल मानी जाती है ?

अथवा

विकसित देशों की समृद्धि के पीछे कोई रहस्य नहीं छिपा है । ऐतिहासिक तथ्य बस इतना है कि इन राष्ट्रों-जिन्हें जी-8 के नाम से पुकारा जाता है - के लोगों ने पीढ़ी-दर पीढ़ी इस विश्वास को प्रस्तुत किया कि मजबूत और समृद्ध देश में उन्हें अच्छा जीवन बिताना है । तब सच्चाई उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप ढल गई ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) जी-8 के देशों ने किस विश्वास को मजबूत किया ?

iv) किसकी समृद्धि के पीछे कोई रहस्य नहीं छिपा है ?

v) लेखक का मजबूत और समृद्ध देश से क्या तात्पर्य है ?

https://www.upboardonline.com

5 × 2 = 10

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यों प्यारे को विदित करके सर्व मेरी व्यथाएँ
धीरे-धीरे वहन करके पाँव की धूलि लाना
थोड़ी सी भी चरणरज जो ला न देगी हमें तू ।।
हा । कैसे तो व्यथित चित को पौध मैं दे सकूँगी
पूरी होवें यदि तुझसे अन्य बातें हमारी
तो तू मेरी विनय इतनी मान ले और चली जा ।
छू के प्यारे कमल पग को प्यार के साथ आ जा
जी जाऊँगी हृदय तल में मैं तुझी को लगाके ।

i) प्रस्तुत पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) राधा पवन-दूतिका से किसकी धूल लाने को कहती है ?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) प्रस्तुत पद्यांश में कौन सा अलंकार है ?

v) राधा पवन-दूतिका से क्या-क्या प्रार्थना करती है ?

अथवा

कह न ठंडी साँस में अब भूल यह जलती कहानी
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका ।
राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी ।
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना ।
जाग तुझको दूर जाना ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'अमर दीपक' की निशानी का आशय लिखिए ।

iv) 'क्षणिक' शब्द से क्या तात्पर्य है ?

v) 'हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) हरिशंकर परसाई

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) जयशंकर प्रसाद

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दें । 5

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

iii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या सर्ग' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक लिखिये ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिये ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

https://www.upboardonline.com

(खण्ड-ख)

(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस पावनी भव्य भावोद्भावनी, शब्द सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठ सुसंपन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिक ग्रन्थाः चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति ।

अथवा

हिन्दी संस्कृताङ्गलभाषासु अस्य समान अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दु हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षायैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान धनम् अयाचत् । जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशाल विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणास्थितिकोऽपि जनः महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषमूर्धन्यः मालवीयः एतदर्थमेव जनास्तं महामना इत्युपाधिना अभिधातुमारब्धवन्तः ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

उदेति सविता ताम्रस्ताम् एवास्तमेति च
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता ।।

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अपना उल्लू सीधा करना (ii) आँख भर आना

(iii) ईद का चाँद होना (iv) कान भरना ।

3. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इच्छाएं नाना हैं और नानाविध हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं । उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है । यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है । इस संसार को अभी राग-भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है । पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुँझलाहट और छटपटाहट ही उसे हाथ आती है ।

(i) प्रवृत्ति-निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों रुक जाता है ? 1

(ii) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ? 2

(iii) जीवन में कौन-सा द्वन्द्व व्यक्ति को थका देता है ? 2

अथवा

https://www.upboardonline.com

भारत के अधिकांश राजनीतिक दल पाश्चात्य विचारों को लेकर ही चलते हैं । वे वहाँ किसी न किसी राजनीतिक
विचारधारा से संबद्ध एवं वहाँ के दलों की अनुकृति मात्र हैं । वे भारत की मनीषा को पूर्ण नहीं कर सकते और न
चौराहे पर खड़े विश्व मानव का मार्गदर्शन कर सकते हैं । भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा लेकर चलने वाले भी
कुछ राजनीतिक दल हैं पर वे भारतीय संस्कृति की सनातनता को उसकी गतिहीनता समझ बैठे हैं, और इसलिए
बीते युग की रूढ़ियों अथवा यथास्थिति का समर्थन करते हैं । संस्कृति के क्रांतिकारी तत्व की ओर उनकी दृष्टि
नहीं जाती । 1

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । 2

(ii) परम्परागत रूढ़ियों का समर्थन करने वालों दलों के विषय में क्या विचार दर्शाया गया है ? 2

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में 'संस्कृति की सनातनता' से क्या आशय है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अविराम-अभिराम -

(अ) तेजी और उतार (ब) लगातार और सुन्दर

(स) एक साथ और चलायमान (द) आकर्षण और कोमल

(ii) अवलंब-अविलंब -

(अ) साथ में रहना और भागना (ब) चलायमान और रुकावट

(स) सहारा और शीघ्र (द) असहाय और विलम्बित 1 + 1 = 2

(ख) निम्नलिखत शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

(i) मधु (ii) अंश

(iii) विधि (iv) पद

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कभी भी अंत न हो - https://www.upboardonline.com

(अ) विद्यमान (ब) प्रकट

(स) साक्षात (द) अनंत

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला -

(अ) ज्ञाता (ब) विद्वान

(स) जिज्ञासु (द) कुशाग्र 1 + 1 =

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) मैं आपके उज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।

(ii) उसे हानी-लाभ की चिंता नहीं है ।

(iii) उपरोक्त कथन सही है ।

(iv) नगर का वातावरण शान्तमय था ।

https://www.upboardonline.com

12. (क) 'वीर' रस **अथवा** 'शृंगार' रस का उदाहरण और परिभाषा दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'रूपक' अलंकार **अथवा** 'यमक' अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'चौपाई' छन्द की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए । 1 + 1 = 2

13. अपने मोहल्ले की समुचित सफाई के लिये नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए । 6

अथवा

विद्यालय में खेलकूद की सामग्री मँगाने हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) जीवन में अनुशासन का महत्व

(ii) मानव-जीवन में सफलता के लिये कर्म का महत्व

(iii) वर्तमान परिवेश में नारी शिक्षा की स्थिति

(iv) साहित्य और समाज का संबंध

(v) जीवन में पर्यावरण का महत्व ।

https://www.upboardonline.com